# प्रदेश कांग्रेस नेताओं ने किया किसान रैली को संबोधित

विशेष संवाददाता

**भोपाल, 24 फरवरी. भारत-अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते के विरोध में मंगलवार को भोपाल के अटल पथ पर कांग्रेस द्वारा 'किसान महाचौपाल' के तहत एक विशाल जनसभा आयोजित की गई. सभा में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के संबोधन के बाद प्रदेश के कई वरिष्ठ नेताओं ने किसानों को संबोधित किया.**

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि यह व्यापार समझौता नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्यक्तिगत समझ का परिणाम है, जिससे देशहित और किसानों के हितों को नुकसान पहुंचेगा. उन्होंने कहा कि यह समझौता किसानों के लिए "तीर" साबित होगा. पटवारी ने नोटबंदी और जीएसटी को लेकर राहुल गांधी की पूर्व चेतावनियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वे बाद में सही साबित हुईं. उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान सरकार की कार्यप्रणाली की भी आलोचना की और लंबे आंदोलन के बाद कृषि कानूनों की वापसी का जिक्र किया.

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य के मुद्दे पर सरकार को घेरा और कहा कि साठ के दशक में कांग्रेस शासन में शुरू की गई एमएसपी व्यवस्था को वर्तमान सरकार मजबूत करने में विफल रही है. उन्होंने वर्ष 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में किसानों के ऋण माफी का उल्लेख किया.

इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, सह-प्रभारी संजय दत्त एवं सह-प्रभारी रणविजय लोचव उपस्थित रहे. कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य कमलेश्वर पटेल एवं ओंकार मरकाम, राष्ट्रीय मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह, राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, अशोक सिंह, पूर्व सांसद नकुलनाथ, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह एवं गोविंद सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति तथा पूर्व उपाध्यक्ष हिना कावरे भी कार्यक्रम में शामिल हुए.

> पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया एवं अरुण यादव, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, पीसी शर्मा, तरुण भनोट, सुखदेव पांसे एवं जयवर्धन सिंह भी मौजूद रहे. इसके अलावा आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया, प्रदेश मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले, एआईसीसी सचिव कुणाल चौधरी, एआईसीसी प्रभारी तनुज पुनिया, शहर जिला अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनोखी पटेल, अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार, आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष रामू टेकाम, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान, ओबीसी विभाग के अध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाहा, एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे तथा यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया सहित विधायकगण, पूर्व विधायकगण, विधानसभा प्रभारी, जिला अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

# 14 दिन के विक्रय मूल्य पर तय होगा सरसों का मॉडल रेट

## कैबिनेट ने लगाई सरसों को भावांतर योजना में शामिल करने के प्रस्ताव पर मुहर

प्रशासनिक संवाददाता

**भोपाल, 24 फरवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सदन में घोषणा के एक दिन बाद सरसों को भी भावांतर योजना में शामिल कर लिया गया है. कैबिनेट ने मंगलवार को भावांतर योजना में सरसों की खरीदी के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी.**

निर्णय के तहत 14 दिनों में मंडियों में बिक्री के औसत मूल्य के आधार पर सरसों का मॉडल रेट तय होगा, उसके बाद जो अंतर की राशि होगी, उसे किसानों को दी जाएगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सदन में कैबिनेट के लिए गए निर्णयों की जानकारी साझा की और कहा कि सरकार किसान वर्ष में किसानों के प्रति समर्पित है.

निर्णय के तहत भावांतर योजना सरसों प्रदेश में 23 मार्च से 30 मई तक जारी रहेगी. कैबिनेट ने कृषि से जुड़ी पांच और योजनाओं को लगातार जारी रहने की मंजूरी भी दी है, इन योजनाओं पर वर्ष 2031 तक 10500 करोड़ रुपए की बड़ी राशि खर्च होगी. इनमें पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना को एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 31 मार्च 2031 तक बरकरार रखा जाएगा, इस अवधि में 2008 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होगी. इसी तरह पर ड्रॉप-मोर क्रॉप योजना को भी अगले पांच वर्ष तक निरंतर रखा जाएगा, इस अवधि में 2393 करोड़ 97 लाख रुपए की राशि खर्च होगी, जिसे हरी झंडी दी गई. इसी क्रम में मप्र में दलहन, धान, गेहूं, मोटा अनाज आदि को बढ़ावा देने के लिए शुरू राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन को भी अगले पांच वर्ष जारी रखा जाएगा. इस मिशन पर भी 3285 करोड़ 49 लाख रुपए खर्च करने की मंजूरी कैबिनेट ने दी है. इसी तरह प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की योजना नेशनल मिशन ऑन नेचरल फार्मिंग को भी 31 मार्च 2031 तक जारी रखा जाएगा. इस मिशन के तहत 1011 करोड़ 59 लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी. वहीं आयातित तलों पर निर्भरत को कम करने के लिए चल रह मिशन राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन ऑयल सीड को भी 31 मार्च 2031 तक जारी रखा जाएगा, इस दौरान 1793 करोड़ 87 लाख रुपए खर्च करने की अनुमति कैबिनेट ने दी है. कैबिनेट ने जिला माइनिंग फंड को भी 31 मार्च 2031 तक जारी रहने की अनुमति दे दी है. कैबिनेट ने मप्र प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के प्रावधानों में बदलाव की भी मंजूरी दे दी है.

# मध्यप्रदेश में मौसम में बदलाव का क्रम जारी

**भोपाल, 24 फरवरी. मध्य प्रदेश में फरवरी माह में मौसम का मिजाज असामान्य बना हुआ है. दक्षिणी हिस्सों में बने कम दबाव के क्षेत्र और दो सक्रिय द्रोणिकाओं के असर से प्रदेश में चौथी बार बारिश का दौर शुरू हो गया है. मौसम विभाग ने बालाघाट, डिंडौरी, अनूपपुर, मंडला और सिवनी समेत पांच जिलों में वर्षा का अलर्ट जारी किया है.**

सोमवार को कई शहरों में दिन में तेज धूप रही, लेकिन शाम होते-होते मौसम बदल गया. जबलपुर में धूल भरी आंधी और

बूंदाबांदी दर्ज की गई, वहीं रीवा और सीधी में भी बारिश हुई. रात के समय ग्वालियर, मुरैना, सागर, दमोह और खरगोन सहित कई जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा हुई.

इस बार फरवरी महीना सामान्य से अलग रहा है. महीने की शुरुआत में ही दो बार ओले और बारिश हुई थी, 18 फरवरी से तीसरा दौर सक्रिय रहा, और अब 23 फरवरी से चौथी बार बादलों ने दस्तक दी है. बारिश के कारण दिन का तापमान गिरा है, जबकि रात में ठंड में थोड़ी कमी आई है.

## मनोरंजन

# बॉडी शेमिंग के कारण टूट गई थीं मृणाल ठाकुर

**अपनी** हालिया रिलीज फिल्म 'दो दीवाने सहर में' की सफलता का आनंद ले रहीं अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने करियर के शुरुआती दौर के काले दिनों का खुलासा किया है. एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में 'परफेक्ट' दिखने के दबाव और ऑनलाइन ट्रोलिंग ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया था. मृणाल ने भावुक होते हुए कहा कि वह कई रातें रोते हुए गुजारती थीं, जिससे सुबह उनकी आंखें सूज जाती थीं. लगातार हो रही आलोचनाओं के कारण उनका आत्मविश्वास इतना डगमगा गया था कि वह खुद की काबिलियत पर ही सवाल उठाने लगी थीं.

मृणाल के इस मुश्किल सफर में सुपरस्टार अक्षय कुमार एक मार्गदर्शक की तरह सामने आए. मृणाल ने साझा किया कि अक्षय ने उन्हें खुद को स्वीकार करने और बाहरी नकारात्मक आवाजों को नजरअंदाज करने की सलाह दी थी. अक्षय ने उनसे कहा था कि प्रोफेशनल जरूरतों और आत्म-सम्मान के बीच संतुलन बनाना जरूरी है. इस सलाह के साथ ही एक युवा प्रशंसक द्वारा उनकी सराहना किए जाने के बाद मृणाल को एहसास हुआ कि उनके नेचुरल कर्व्स और व्यक्तित्व दूसरों के लिए प्रेरणा हैं, न कि कमजोरी.

# यह अनुभव बेहद भावनात्मक और अविस्मरणीय : तरुण खन्ना

**अभिनेता** तरुण खन्ना इस साल अपना जन्मदिन एक बेहद खास और आध्यात्मिक माहौल में मना रहे हैं. पवित्र नगरी उज्जैन में मौजूद तरुण आगामी डिवाइन ड्रैमेडी शो हे भगवान-कितना बदल गया इंसान' की शूटिंग कर रहे हैं. यह शहर उनके लिए न सिर्फ धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि अब उनके करियर के एक अहम पड़ाव से भी जुड़ गया है. अपने जन्मदिन को और भी आध्यात्मिक बनाने के लिए तरुण श्री महाकालेश्वर ज्योर्तिलिंग मंदिर में

दर्शन कर महाकाल का आशीर्वाद लेने वाले हैं. शो में महादेव की भूमिका निभा रहे तरुण के लिए यह अनुभव बेहद भावनात्मक और अविस्मरणीय है.

अपनी खुशी साझा करते हुए तरुण खन्ना, जोकि 'हे भगवान कितना बदल गया इंसान' में महादेव का किरदार निभा रहे हैं, कहते हैं, 'यह जन्मदिन मेरे जीवन के सबसे यादगार जन्मदिनों में से एक है.

# यश चोपड़ा फाउंडेशन ने 'साथी प्रोग्राम 2026' की शुरुआत की

**यश** राज फिल्म्स की परोपकारी शाखा यश चोपड़ा फाउंडेशन ने अपने साथी प्रोग्राम के शुभारंभ की घोषणा की है. यह एक वर्ष-भर चलने वाली कल्याणकारी पहल है, जिसका उद्देश्य फिल्म उद्योग से जुड़े कामगारों और उनके परिवारों को निरंतर और संरचित सहायता प्रदान करना है. यह कार्यक्रम एक-बार की राहत से आगे बढ़ते हुए, पूरे वर्ष बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने पर केंद्रित है.

वर्ष 2026 में यह कार्यक्रम पंजीकृत फिल्म उद्योग कामगारों और उनके परिवारों को सहयोग प्रदान करेगा. इस पहल के तहत मासिक घरेलू सहायता के माध्यम से खाद्य सुरक्षा को मज़बूत करना, दवाओं और आवश्यक जाँचों सहित स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना, बच्चों की शिक्षा और पढ़ाई से जुड़ी आवश्यकताओं के लिए सहायता, तथा वार्षिक पैतृक स्थान यात्रा सहित आवश्यक यात्रा सहयोग शामिल है. सेवानिवृत्त फिल्म कर्मियों (60 वर्ष और उससे अधिक) और दिव्यांग व्यक्तियों पर विशेष ध्यान दिया गया है, यह मानते हुए कि उनकी स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतें अधिक होती हैं और आय के अवसर सीमित होते हैं.

साथी कार्यक्रम के लिए पात्रता में मान्यता प्राप्त यूनियनों से पंजीकृत सक्रिय फिल्म उद्योग कर्मी, कम आय वाले परिवार, स्कूल या कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों वाले परिवार, तथा निरंतर स्वास्थ्य और चिकित्सकीय आवश्यकताओं का सामना कर रहे वरिष्ठ

कर्मी शामिल हैं. साथी प्रोग्राम 2026 में वर्ष-भर की सहायता को और सशक्त बनाने के लिए कई नए सुधार पेश किए गए हैं. इनमें प्रति लाभार्थी वार्षिक सहायता राशि में वृद्धि, व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार सहायता प्रदान करने के लिए लचीली लाभ संरचना, जाँच और उपचार तक बेहतर पहुँच के लिए विस्तारित स्वास्थ्य प्राथमिकता, तथा लाभों तक आसान पहुँच सुनिश्चित करने के लिए सरल डिजिटल वितरण प्रणालियाँ शामिल हैं.

# 63 वर्ष के हुए संजय लीला भंसाली

**बॉलीवुड** के जाने-माने फिल्मकार संजय लीला भंसाली आज 63 वर्ष के हो गये. 24 फरवरी 1963 को मुंबई में जन्में संजय लीला भंसाली ने अपने करियर की शुरूआत विदु विनोद चोपड़ा के सहायक के तौर पर की. भंसाली ने विदु विनोद चोपड़ा की फिल्म परिन्दा,1942 ए लव स्टोरी और करीब में सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया.बतौर स्वतंत्र निर्देशक संजय लीला भंसाली ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1996 में प्रदर्शित फिल्म खामोशी से की. इस फिल्म में नाना पाटेकर,सलमान खान और मनीषा कोइराला ने मुख्य भूमिकायें निभायी थी. यूं तो फिल्म टिकट खिड़की पर कोई खास कमाल नही दिखा सकी लेकिन संजय लीला भंसाली ने अपने बेहतरीन निर्देशन के जरिये दर्शकों के साथ हीं समीक्षकों का भी दिल जीत लिया.

वर्ष 1999 में प्रदर्शित फिल्म हम दिल दे चुके सनम संजय लीला भंसाली के करियर की पहली सुपरहिट साबित हुयी. इस फिल्म में भी संजय लीला भंसाली ने सलमान खान का चुनाव किया. फिल्म में सलमान खान के अलावा ऐश्वर्या राय और अजय देवगन ने मुख्य भूमिका निभायी थी. सलमान खान और ऐश्वर्या राय की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया. इस फिल्म के लिये संजय लीला भंसाली सर्वश्रेष्ठ निर्माता-निर्देशक के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किये गये.

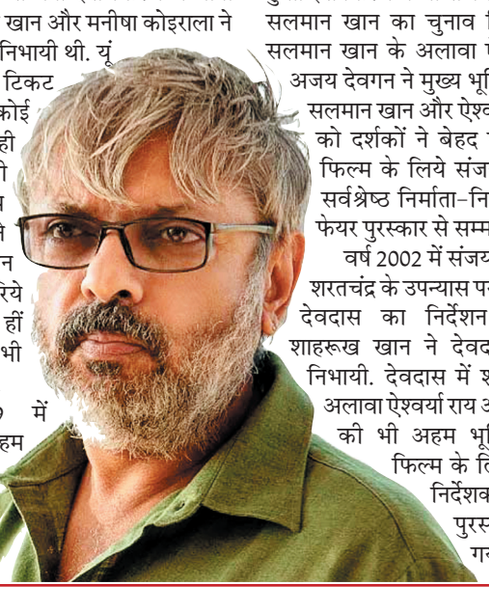

वर्ष 2002 में संजय लीला भंसाली ने शरतचंद्र के उपन्यास पर आधारित फिल्म देवदास का निर्देशन किया जिसमें शाहरूख खान ने देवदास की भूमिका निभायी. देवदास में शाहरूख खान के अलावा ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित की भी अहम भूमिकायें थी. इस फिल्म के लिये उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का फिल्म फेयर पुरस्कार भी दिया गया.

# ईशा मालवीय की डेब्यू फिल्म 'इश्कां दे लेखे' का ट्रेलर रिलीज

**भारतीय** अभिनेत्री, मॉडल और 'बिग बॉस 17' फेम ईशा मालवीय अब बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं. उनकी डेब्यू पंजाबी फिल्म 'इश्कां दे लेखे' का ऑफिशियल ट्रेलर सोमवार को रिलीज कर दिया गया है. रोमांटिक जॉनर की यह फिल्म 6 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. ट्रेलर रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है.

फिल्म का ट्रेलर स्पीड रिकॉर्ड्स, पैनोरमा स्टूडियो और डायमंडस्टार वर्ल्डवाइड के यूट्यूब चैनलों पर कोलैबोरेशन के तहत रिलीज किया गया है. इन तीनों प्लेटफॉर्म्स के कुल मिलाकर लगभग 50 मिलियन सब्सक्राइबर्स हैं. यही वजह है कि ट्रेलर रिलीज होते ही हजारों व्यूज और लाइक्स मिल गए.

डिस्क्रिप्शन में इसे 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित पंजाबी प्रेम कहानी बताया गया है, जो दर्शकों को एक बार फिर प्यार के रंग में रंगने के लिए तैयार है.फिल्म में ईशा मालवीय के साथ पंजाबी सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता गुरनाम भुल्लर लीड रोल में नजर आएंगे. 2 मिनट 25 सेकंड के ट्रेलर की शुरुआत यूनिवर्सिटी बेल से होती है, जिसके बाद गुरनाम की दमदार एंट्री और एक रोमांटिक डायलॉग सुनाई देता है.ईशा मालवीय फिल्म में 'जसनीत' का किरदार निभा रही हैं.

# 79वें बाफ्टा फिल्म पुरस्कार समारोह में शामिल हुई आलिया

**अभिनेता** ताहा शाह बदुशा ने लंदन में आयोजित 79वें बाफ्टा फ़िल्म पुरस्कार में शिरकत की. बाफ्टा फ़िल्म पुरस्कार में भारतीय सिनेमा के अन्य चर्चित नाम जैसे, आलिया भट्ट और फ़रहान अख्तर भी मौजूद थे. लंदन के प्रतिष्ठित रॉयल फ़ेस्टिवल हॉल में आयोजित इस समारोह की मेज़बानी एलन कमिंग ने की थी. इस कार्यक्रम में दुनिया भर से कलाकारों और रचनाकारों ने शिरकत कर, अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म निर्माण में उत्कृष्टता का जश्न मनाया.

गौरतलब है कि ताहा शाह बदुशा को व्यापक पहचान 'हीरामंडी' में ताजदार के उनके दमदार अभिनय से मिली, जिसे संजय लीला भंसाली ने निर्देशित किया था. इस नेटफ्लिक्स सीरीज़ को ग्लोबल स्तर पर काफी सराहना मिली थी, जिससे अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के बीच भी ताहा एक जाना माना नाम बन गए. हाल ही में ताहा 'पारो: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ़ ब्राइड स्लेवरी' में नज़र आए थे, जो एक ऑस्कर-प्रतिस्पर्धी हिंदी फ़ीचर फ़िल्म है. इस फ़िल्म ने न सिर्फ एक गंभीर सामाजिक मुद्दे की ओर ध्यान आकर्षित किया, बल्कि अर्थपूर्ण व वैश्विक रूप से प्रासंगिक कहानियों के प्रति ताहा के झुकाव को और भी मज़बूत किया.

यह शाम भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का क्षण रही, जहाँ आलिया भट्ट ने एक पुरस्कार प्रस्तुत किया और फ़रहान अख्तर की मौजूदगी ने ग्लोबल अवॉर्ड मंच पर भारत की बढ़ती उपस्थिति को रेखांकित किया.

# लिसा मिश्रा ने संगीत और अभिनय के बीच संतुलन बनाने पर की बात

**अभिनेत्री** और गायिका लिसा मिश्रा वर्ष 2026 को ध्यान में रखते हु अपने करियर में संगीत और अभिनय दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहती हैं. मनोरंजन इंडस्ट्री अक्सर कलाकारों को एक ही पहचान तक सीमित कर देती है, लेकिन लिसा मिश्रा ने अलग रास्ता चुनने का फैसला किया है. वर्ष 2026 को ध्यान में रखते हुए लिसा अपने करियर में संगीत और अभिनय दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहती हैं. वह यह मानने को तैयार नहीं हैं कि उन्हें सिर्फ एक ही रास्ता चुनना चाहिए, जैसा कि इंडस्ट्री में अक्सर देखने को मिलता है. फिलहाल 'कॉल मी बे 2' की शूटिंग शुरू हो चुकी है और तय शेड्यूल के अनुसार आगे बढ़ रही है.

# सीरत कपूर को मिला खास साथी !

**हॉरर** कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' में सावी की भूमिका निभा रहीं सीरत कपूर को हाल ही में सेट पर एक अनोखा और यादगार अनुभव मिला. अपनी चुलबुली स्क्रीन प्रेजेंस और व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के बीच उन्हें एक खास सह-कलाकार का साथ मिला-एक प्रशिक्षित तोता, जिसका नाम रियो है. इस पंखों वाले साथी ने लंबे शूटिंग घंटों के बीच माहौल को हल्का और खुशनुमा बना दिया.

अपना अनुभव साझा करते हुए सीरत कपूर ऊर्फ सावी ने कहा, 'यह पहली बार था जब मैंने किसी पक्षी, खासकर तोते के साथ शूटिंग की. उसका नाम रियो है और सच कहूं तो वह हमारे ट्रैक का स्टार बन गया था. वह बेहद प्रशिक्षित और अनुशासित था. अपने ट्रेनर्स के संकेतों पर तुरंत प्रतिक्रिया देता था. उसके साथ सीन करना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था, बल्कि एक कलाकार के तौर पर यह बहुत ताज़गी भरा अनुभव रहा. हमारे मौजूदा ट्रैक में मेरे किरदार के उसके साथ कुछ हल्के-फुल्के और भावनात्मक पल हैं, जिनमें एक स्वाभाविक और सकारात्मक एहसास है. तोते की समझदारी और अभिव्यक्ति सच में हैरान करने वाली थी वह सिर तिरछा कर ऐसे प्रतिक्रिया देता था मानो पूरी बात समझ रहा हो.